पत्र सूचना शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0

पं0 दीनदयाल उपाध्याय का व्यक्तित्व बहुआयामी था - राज्यपाल

लखनऊः 12 अप्रैल, 2018

उत्तर प्रदेश के राज्यपाल श्री राम नाईक ने संगीत नाटक अकादमी में श्री चन्द्रभूषण सिंह द्वारा लिखित एवं निर्देशित नाटक 'गाथा एक प्रचारक की' का उद्घाटन किया। नाटक युगदृष्टा पं0 दीनदयाल उपाध्याय के एकात्म मानव दर्शन पर आधारित था।

राज्यपाल ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि पं0 दीनदयाल उपाध्याय एक ऐसे दार्शनिक थे, जिनका चिन्तन मौलिक था। वे एकात्मकता के पक्षधर थे, उनका मानना था कि समय के साथ के बदलाव करते रहना चाहिये। सहजता उनकी विशेषता थी तथा उनमें संगठन चलाने की अद्भुत क्षमता थी। उन्होंने कहा कि पं0 दीनदयाल उपाध्याय का व्यक्तित्व बहुआयामी था।

श्री नाईक ने कहा कि पं0 दीनदयाल ने विभिन्न भूमिकाओं में देश की सेवा की। वे एक समर्पित समाजसेवी थे, जिन्होंने विद्यार्थी जीवन से राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़े रहे और बाद में प्रचारक का भी दायित्व निभाया। डा0 श्यामा प्रसाद मुखर्जी कहते थे कि उन्हें दो दीनदयाल मिल जायें तो देश में परिवर्तन लाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि पं0 दीनदयाल उपाध्याय भारतीय जनसंघ के महासचिव भी थे।

राज्यपाल ने नाटक 'गाथा एक प्रचारक की 'का मंचन भी देखा।

अंजुम/ललित/राजभवन (150/22)